[श्री गिरधारी लाल व्यास]

दीजिए, बिजली दीजिए, ताकि हम ताकतवर बन सकें और अपने गरीब लोगों को रोटी दे सकें। आज सबसे बड़ी समस्या हमारे यहां रोटी की ही है। ये राजीव गांधी जी अगर नहीं होते, तो हम सब के सब मर जाते। इन्होंने जितनी मदद की है, निश्चित तौर से, उसकी जितनी भी प्रशसा की जाए, वह कम है। इसलिए मैं इनसे कहता हूं कि हमारी मदद करो और ये जो हम पर झुंझलाहट करते है कि कोल कहां से आएगा, तो कोल लाना, आपका काम है। हमारा काम नहीं है। हमको तो आप बिजली दीजिए ताकि हमारे राजस्थान की प्रगति हो सके।

अध्यक्ष महोदय: बस, बस। हमने 210 मेगावाट का पावर हाउस अभी भिजवाया है।

प्रधान मन्त्री द्वारा 27 फरवरी, 1989 को प्रश्नकाल के दौरान की गई कतिपय टिप्पणियों को स्पष्ट करने के बारे में वक्तव्य

[अनुवाद]

प्रधान मन्त्री (श्री राजीव गांधी): अध्यक्ष महोदय, कल प्रश्न काल के दौरान मैंने कतिपय टिप्पणियां की थी। और आज सुबह समाचार-पत्र पढ़ते समय मुझे यह महसूस हुआ कि कोई गलत सन्देश छप गया है जो मेरे कहे के बिलकुल विपरीत था।

प्रथमतः, मैं यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि मैंने किसी भी स्थान पर यह नहीं कहा था या ऐसा संकेत दिया या इन शब्दों का प्रयोग किया कि विपक्ष देश भक्त नही है या राष्ट्र विरोधी है। मैंने इन शब्दों का प्रयोग नहीं किया। मेरा कहने का तात्पर्य यह नही था। जो कुछ मैंने कहा, जिस मैं फिर से कहने में भी नहीं हिचकिचाता, वह यह है कि विपक्ष में से कम से कम एक सदस्य खालिस्तान का मामला उठा रहा है और संघ के ही भीतर ही राज्यों के पुनर्गठन की बात कर रहा है। मैंने विपक्ष मे किसी भी व्यक्ति को यह मामला उठाते हुए नहीं देखा। मैंने विपक्ष पर खालिस्तान का मामला उठाने का आरोप नहीं लगाया है और मैं उन पर ऐसा करने का आरोप भी नहीं लगाता हूं। किन्तु यदि वे वास्तव में आतंकवादियों के खिलाफ लड़ने के लिए वचनबद्ध हैं तो मैं चाहूंगा कि वे उस सदस्य के खिलाफ कार्रवाई करें।

महोदय, मुझे विपक्ष के बहुत ही वरिष्ठ सदस्यों से भी कुछ पत्र प्राप्त हुए हैं जिनमें उन्होंने आतंकवादियों के प्रति नरमी का बर्ताव करते हुए कुछ कार्रवाई किए जाने की अपील की है। और यही वह दो तरफा नीति है जिससे आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में कठिनाई होती है।

अन्त में, मैं यह कहना चाहूंगा कि कल बहस की गरमा गरमी में मैंने मा० क० पा० का उल्लेख किया। मैं सभी कम्यूनिस्ट पार्टियों का उल्लेख करना चाहता था क्योंकि सी० पी० आई०, सी० पी० एम० और अन्य वामपन्थी पार्टियां आतंकवादियों के खिलाफ लड़ती आ रही हैं और राष्ट्रीयतावादी रवैया अपना रही हैं। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं और उन्हें इसके लिए मुबारकबाद देता हूं।

मैं यह भी कहना चाहूंगा कि कांग्रेस और वामपन्थी पार्टियों के अतिरिक्त अन्य पार्टियों के भी बहुत से लोग मारे गए हैं और उनके लिए हमारे हृदय में बहुत दुख है। वे सभी देश भक्त थे। वे हमारे राष्ट्र की एकता और अखण्डता के लिए मर-मिटे।

अन्त में, यदि विपक्ष इस मामले में स्पष्ट रवैया अपनाना चाहता है तो मैं यह चाहूंगा कि वे आतंकवादियों के खिलाफ वास्तविक विरोध प्रकट करें। मैं उनसे यह उम्मीद करूंगा कि वे राष्ट्र को यह बता दें कि वे किसी भी तरह किसी भी विपक्षी सदस्य को आतंकवादियों की सहायता करने या उनके प्रति नरमी बरतने की अनुमति नहीं देंगे।

यदि मेरी किसी बात से विपक्षी सदस्यों को कोई कष्ट हुआ हो तो मैं उसके लिए क्षमा प्रार्थी हूं किन्तु मैं उनसे यह अपेक्षा रखता हूं कि वे इसे कम करके ठीक करें।

अध्यक्ष महोदय : सदन की बैठक मध्याह्न भोजन के लिए 2.00 बजे म० प० तक के लिए स्थगित की जाती है।

1.01 म० प०

तत्पश्चात लोक सभा मध्याह्न भोजन के लिए 2 बजे म० प० तक के लिए स्थगित हुई।

2.06 म० प०

मध्याह्न भोजन के पश्चात लोक सभा 2.06 म० प० पर पुन: समवेत हुई

(उपाध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव

—[जारी]

उपाध्यक्ष महोदय : व्यास जी, मैं समझता हूं आप अपना भाषण पूरा कर चुके हैं।

श्री गिरधारी लाल व्यास (भीलवाड़ा) : महोदय, मैंने अभी अपना भाषण पूरा नहीं किया है।

उपाध्यक्ष महोदय : आप पहले ही 12 मिनट ले चुके हैं। अब इसे दो या तीन मिनट में पूरा करने की कोशिश करें। मैं यह समय विशेष मामले के रूप में दे रहा हूं।

[हिन्दी]

श्री गिरधारी लाल व्यास : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली की बात कर रहा था। अब मैं राजस्थान में पीने के पानी और जो अन्य प्रकार की कठिनाइयां हैं उनके सम्बन्ध में निवेदन करना चाहता हूं।

भारत सरकार ने टेक्नोलोजी मिशन कायम किया है और उसके जरिए से पीने का पानी उपलब्ध कराने की बहुत बड़ी योजना बना रहे हैं। राजस्थान में अभी भी पांच हजार गांव ऐसे हैं जिनमें पीने का पानी नहीं है। इन गांवों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए टेक्नोलोजी मिशन